प्रतिक्रियाएं / Feedbacks

सर्वप्रथम हम आपको धन्यवाद,देना चाहेंगे की आप अति उत्साह के साथ विज्ञान जैसे गम्भीर विषय को अत्यंत सरल रूप में विज्ञान प्रकाश जर्नल के माध्यम से पाठको के बीच में प्रस्तुत कर रहे है। हिंदी माध्यम में, विज्ञान जैसे संकाय में, किसी चुने हुए विषय पर समस्त तकनीकि पहलुओं को सम्मिलित करते हुए पाण्डुलिपि तैयार करना एवं पाण्डुलिपि के समस्त शीर्षकों के बीच सामंजस्य बनाये रखना एक बड़ी चुनौती के रूप में रहा। इस दौरान हमने विज्ञान प्रकाश जर्नल में दिए गए दिशा निर्देशों का व्यापक अध्ययन किया। जर्नल में प्रकाशित कई शोध पत्रों को बारीकी से पढ़ा और फिर हमने अपने रिसर्च पेपर को हिंदी में लिखने का कार्य शुरू किया। विज्ञान प्रकाश जर्नल में प्रकाशित शोध पत्रों में गुणवत्ता से कोई भी समझौता नहीं किया गया है, समस्त प्रकाशित शोध पत्र उच्च श्रेणी के हैं। शोध पत्र की गंभीर रूप से समीक्षा की गयी। विज्ञान प्रकाश जर्नल में छपे लेखों में पिक्चर्स एवं डाटा, रंगीन होने के कारण प्रस्तुत किये गए बिंदुओं को और अधिक स्पष्ट कर देते हैं जो कि अन्य जर्नल से भिन्न है। यह इस जर्नल की एक विशेष पहचान है। विज्ञान प्रकाश जर्नल द्वारा पांडुलुपियों का स्वीकृत करने से पहले गहन परीक्षण एवं कड़ी समीक्षा प्रक्रिया गुजारना इस जर्नल की विशेषता हैं । हमे आशा हैं की हमारा शोध पत्र अति शीघ्र विज्ञान प्रकाश जर्नल के आगामी अंक में प्रकाशित होगा।

Authors: Dr. Shilpy Shakya & Dr. Bindhya Chal Yadav; राजकीय महाविद्यालय फतेहाबाद, आगरा;
shilpy.shilpy@gmail.com , dradarshmangal1@hotmail.com

हिंदी में तकनीकी अनुसंधान पत्र लेखन चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह रचनात्मक है। विज्ञान प्रकाश जर्नल के माध्यम से मुझे पहली बार हिंदी में तकनीकी शोध पत्र लिखने का अवसर मिला। इस (विज्ञान प्रकाश) जर्नल मे रिसर्च पेपर के सबमिशन के बाद मुझे हिंदी मे रिसर्च पेपर लिखने की बारीकियां पता चली। यहाँ रिसर्च पेपर क्वालिटी से कोई समझौता नहीं है, अतः गुणवत्ता की कसौटी पर अति उत्तम है। अपने शोध पत्र को इस जर्नल मे प्रकाशित करने का मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा।

Author: Ms Sofia Goel & Dr. Sudhansh Sharma, SOCIS, IGNCA, New Delhi;
sofiagoel@gmail.com , sudhansh@ignou.ac.in

विज्ञान प्रकाश पत्रिका में लिखने और रिव्यु करने का अवसर प्राप्त हुआ। हिंदी भाषा में शोध पत्र लिखने का अनुभव इतना सरल और सहज रहा कि अपने स्कूल के दिनों की विज्ञान की कक्षाएं पुरस्मृति में आ गयी। विज्ञान के कुछ अंग्रेजी शब्दों के हिंदी प्रतिरूप ज्यादा लोकप्रिय नहीं होते जिससे कि भाषा में लचीलापन नहीं आ पाता, परन्तु उन्हें अपने लोकप्रिय रूप में ही ग्रहण कर लेने की सम्भावना के फलस्वरूप अच्छी तरह से अपने विचार व्यक्त किये जा सके। अन्य लेखकों के शोध पत्रों की रिव्यु करते हुए तीन दिशाओं में प्रयत्न करने होते हैं : १) शोध का डोमेन २) लेख की भावनाएं और ३) हिंदी भाषा में लेखन कौशल। ऐसा अहसास हुआ कि ज्यादातर लेखक हिंदी भाषा में लेखन के लिए मूलभूत लिखने के बजाय ओपन सोर्स ट्रांसलेशन सिस्टम का उपयोग करते होंगे जिससे कि भाषा में कुछ अटपटापन रह जाता है। खैर, हिंदी भाषा में शोध पत्र लिखने के लिए प्रेरित होना और प्रयास करना ही अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

हर एक प्रकाशन के साथ, विज्ञान प्रकाश के कॉलम में क्रमशः उत्तरोत्तर वृद्धि और विभिन्न प्रकार के लेखों का समावेश निश्चय ही रूप से प्रभावकारी है। मुझे इस मिशन से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सादर धन्यवाद !

Author & Reviewer: Dr. Priyanka Jain, C-DAC; priyankaj@cdac.in